तेरा रूप बड़ा प्यारा ए

तेरा रूप बड़ा प्यारा ए

धुन : पहलां तेरे नैन मैं देखे (सरताज)

1. जदों दी मैं वृंदावन आई, तेरी होके रह गई वे
   लोकी मैनू मारन ताने, चुप चाप मैं सह गई वे वे
   बांकेया तू मन मोह लिया तेरा रूप बड़ा प्यारा ए,
   सारे जग तों न्यारा ए...

2. नैन मिलाके ठग्गिया मैनू, कीती दिल दी चोरी वे
   छलिया छैल बिहारी मैनू, लुटिया जोरोजोरी वे वे
   मोटे मोटे नैणा वालिया ऐसा तीर चलाया ऐ,
   दिल ज़ख्मी बनाया ऐ...

3. नाम तेरे दी मस्ती चढ़ गई, हो गई मैं मस्तानी वे
   कोई कमली कोई पगली आखे, कोई आखे दीवानी वे वे
   मोहणी तेरी मुरली ने की जादू पाया ए,
   दिन रात सताया ए...

4. दर तेरा ही घर हुण मेरा, तुहियों मेरा सहारा वे
   तेरे बिन एह "मधुप" सखी दा होणा नहीं गुज़ारा वे वे
   दर तेरा छड मोहना असां होर कित्थे जाणा ए,
   तेरा दर ही ठिकाणा ए...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34609/title/tera-roop-bada-pyara-ei

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |